संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

सीसीआरटी समाचार

CCRT Newsletter

खण्ड 2 • अंक 2 • फरवरी 2024

Volume 2 • Issue 2 • February, 2024

कला मंथन

सैद्धांतिक हेतु स्पष्ट करने की दृष्टि से कला ही सौंदर्य जगत की प्रमुख प्रतिनिधि है। कला माध्यम से सौंदर्य जगत का एहसास होता है। कलात्मक सौंदर्य और प्राकृतिक सौंदर्य में भेद है, यह समझने की आवश्यकता है। वस्तुत: सौंदर्य केवल संवेदना एवं कल्पना का विषय है। सौंदर्य सत्ता मानव संवेदना से स्वतंत्र नहीं है। चाहे वह प्राकृतिक सौंदर्य हो या कलात्मक सौंदर्य, इन दोनों प्रकार के सौंदर्य की अनुभूति मानव संवेदना और मानव कल्पना के माध्यम से ही होती है।

प्राकृतिक सौंदर्य परिवर्तनशील है। इस सौंदर्य के कारण हमें जो बोध होता है वह सामान्य एवं नश्वर स्वरूप का होता है। वह सामान्य मन से उद्भूत होता है। परंतु कलागत सौंदर्य का स्रोत प्रतिभावान कलाकार के सुनिश्चित एवं उदात्त सहज ज्ञान से होता है। कलात्मक सौंदर्य का और कलात्मक सृजनता का आवश्यक अंग रचनात्मक मन है। सौंदर्यशास्त्र की सुनिश्चित और सर्वमान्य परिभाषा प्रस्तुत करना कठिन है। प्राचीन काल के लोगों ने सुंदर कलाकृति की परिभाषा करते समय लयबद्धता, समानुपात और शारीरिक संतुलन-इन बातों पर विशेष जोर दिया। उनके अनुसार सुंदर का जन्म अनेकरूप में एकरूपता के तत्त्व से होता है। आधुनिक विद्वान सुदंरता में महत्ता, प्रभावशीलता, अभिव्यक्तिमयता और जीवन की परिपूर्ण सार्थकता की अवधारणा करते हैं। दोनों दृष्टिकोण महत्वपूर्ण हैं। दोनों का सही ढंग से विचार करने से शायद 'सुंदर' की परिभाषा की जा सकती है।

कला स्वयंभू है। वह परावलम्बी नहीं है। कला को मनुष्य की आवश्यकता नहीं है बल्कि मनुष्य को कला की आवश्यकता है। कला का अस्तित्व सदैव रहेगा। कला प्रस्तुति से मानवीय भावनाओं का विरेचन होता है। इन भावनाओं का परिणाम ही संवेदना कहलाती है। संवेदना तत्त्व से मनुष्य को सौंदर्य की अनुभूति होती है। यह उसका व्यक्तिगत अनुभव होता है जिसे वह संजोए रखता है। आनंद-प्राप्ति का यह साधन बन जाता है जो कार्यकारण भाव से परे होता है। वह अलौकिक होता है। कला यह सब कर सकती है, अलग-अलग तरीके से कर सकती है। कला का मर्म, तथ्य और सत्व समझना जरूरी है।

डॉ. विनोद नारायण इन्दूरकर
अध्यक्ष, सीसीआरटी

निदेशक की कलम से

सीसीआरटी के निदेशक का पदभार ग्रहण करते हुए मुझे काफी प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। सीसीआरटी, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के शीर्ष स्वायत्त संगठनों में से एक है। मैं निदेशक, आजादी का अमृत महोत्सव (AKAM) के तौर पर पहले भी सीसीआरटी की गतिविधियों से काफी नजदीक से जुड़ा रहा हूँ। सीसीआरटी इस मायने में आम सरकारी कार्यालयों से काफी अलग है कि यह नियमित नेमी कार्यों को अंजाम देने के साथ-साथ विभिन्न कलाओं और संस्कृति के क्षेत्र में देश की विरासत और धरोहर को अपने विविध कार्यक्रमों के माध्यम से देश भर के शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच शिक्षण-प्रशिक्षण और प्रचार-प्रसार के द्वारा संरक्षण और संवर्धन प्रदान करने का कार्य भी करता है। इस दृष्टि से देखें तो भारत सरकार और संस्कृति मंत्रालय द्वारा सीसीआरटी को आने वाली पीढ़ियों को हमारे गौरवशाली अतीत से परिचित कराने की महती जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुझे पूरी उम्मीद है कि सीसीआरटी और इसके चारों क्षेत्रीय केंद्र के सभी अधिकारी-कर्मचारी एक टीम की तरह एकजुट होकर अपना भरपूर, सक्रिय योगदान देंगे और संस्कृति मंत्रालय तथा भारत सरकार की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे।

श्री राजीव कुमार
निदेशक, सीसीआरटी

प्रमुख गतिविधियों की झलकियाँ

फरवरी 2024 की प्रमुख गतिविधियाँ

सीसीआरटी मुख्यालय में नए निदेशक का स्वागत

श्री राजीव कुमार ने फरवरी 2024 से सीसीआरटी के निदेशक का पदभार संभाला। ये भारतीय राजस्व सेवा (आई.आर.एस.) संवर्ग के अधिकारी हैं और अभी संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के निदेशक 'AKAM' (आजादी का अमृत महोत्सव) के पद पर तैनात हैं। इसके अलावा ये वर्तमान में ललित कला अकादमी, संस्कृति मंत्रालय के प्रभारी सचिव का कार्यभार भी संभाल रहे हैं। दिनांक 09 फरवरी 2024 को सीसीआरटी के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने मुख्य सभागार में अपने नवनियुक्त निदेशक महोदय का औपचारिक स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया। निदेशक महोदय ने उपस्थित कार्मिकों को संबोधित किया। तत्पश्चात उन्होंने केंद्र के उच्चाधिकारियों के साथ एक बैठक की और केंद्र की भावी कार्य योजना पर विचार-विमर्श किया।

प्रशिक्षण / TRAINING

प्रशिक्षण अनुभाग ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अनिवार्य सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। अनुभाग ने इस अवधि में कुल 9 अभिविन्यास पाठ्यक्रमों और 22 विषयगत कार्यशालाओं का आयोजन किया। इस वर्ष 2124 शिक्षकों/शिक्षक शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया, जो नई शिक्षा नीति (एनईपी) - 2020 की सिफारिशों को शामिल करके कला और संस्कृति के क्षेत्र में उनके कौशल और ज्ञान को बढ़ाने में योगदान देते हैं।

इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में महिला शिक्षकों/शिक्षक प्रशिक्षकों की पर्याप्त भागीदारी रही। कुल 659 महिला शिक्षकों ने सक्रिय रूप से विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया, जो समावेशिता और विविधता के लिए सीसीआरटी की प्रतिबद्धता का परिचायक है।

इस वर्ष की प्रशिक्षण संबंधी सभी पहल को एक शानदार सफलता दिलाने में सभी प्रतिभागियों, विशेषज्ञों, शिल्प विशेषज्ञों और समर्थकों की भूमिका सराहनीय है।

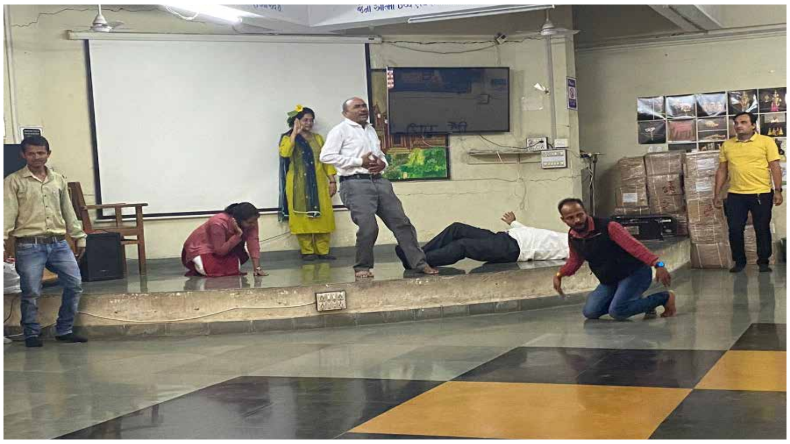

छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति / SCHOLARSHIP AND FELLOWSHIP

- **क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) वर्ष 2023-24 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज (सीटीएसएस) योजना के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने के साथ-साथ छात्रवृत्ति धारकों के नवीकरण के लिए बैठक।**
- सीसीआरटी ने वर्ष 2023-24 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज (सीटीएसएस) योजना के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने और छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक का 12 से 17 फरवरी 2024 तक कोलकाता में आयोजन किया। इस बैठक में विभिन्न क्षेत्रों के कुल 24 विशेषज्ञों को साक्षात्कार/परीक्षणों का संचालन करने के लिए जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

- सीसीआरटी ने वर्ष 2023-24 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज (सीटीएसएस) योजना के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने और छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक का 12 से 15 फरवरी 2024 तक अगरतला में आयोजन किया। इस बैठक में विभिन्न क्षेत्रों के कुल 13 विशेषज्ञों को साक्षात्कार/परीक्षणों का संचालन करने के लिए जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

- सीसीआरटी ने वर्ष 2023-24 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज (सीटीएसएस) योजना के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने और छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक का 27-28 फरवरी 2024 को चेन्नई में आयोजन किया। इस बैठक में विभिन्न क्षेत्रों के कुल 07 विशेषज्ञों को साक्षात्कार/परीक्षणों का संचालन करने के लिए जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

- सीसीआरटी ने वर्ष 2023-24 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज (सीटीएसएस) योजना के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने और छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक का 27 फरवरी से 02 मार्च 2024 तक बंगलुरु में आयोजन किया। इस बैठक में विभिन्न क्षेत्रों के कुल 14 विशेषज्ञों को साक्षात्कार/परीक्षणों का संचालन करने के लिए जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

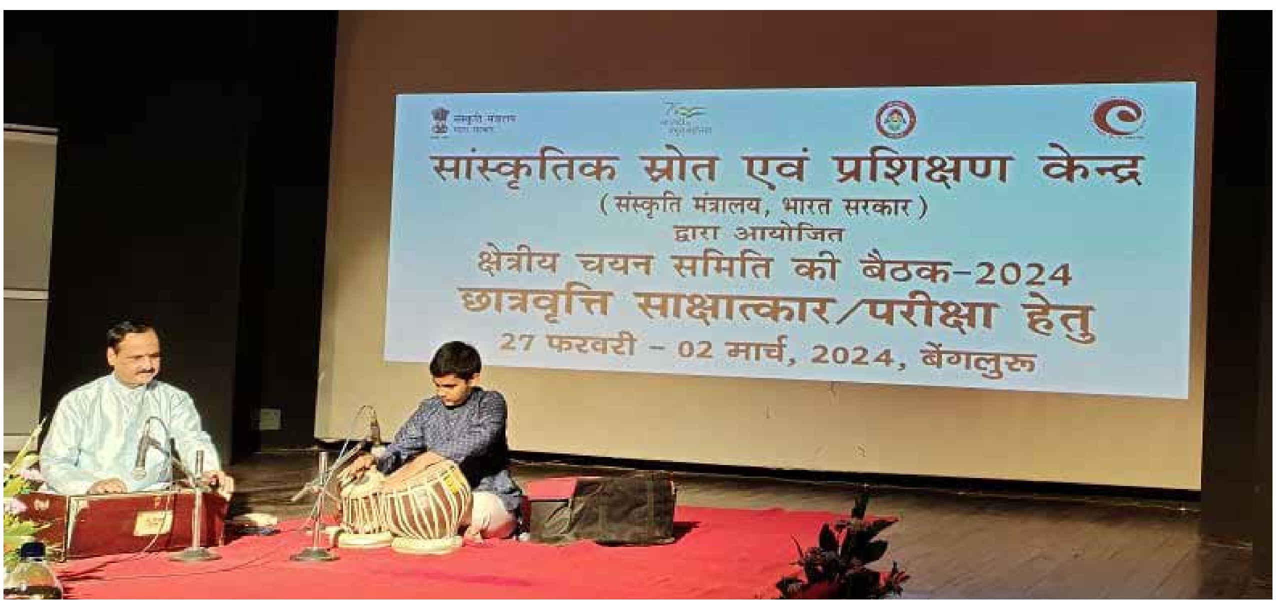

- सीसीआरटी ने वर्ष 2023-24 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज (सीटीएसएस) योजना के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने और छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक का 28 फरवरी से 02 मार्च 2024 तक भुवनेश्वर में आयोजन किया। इस बैठक में विभिन्न क्षेत्रों के कुल 15 विशेषज्ञों को साक्षात्कार/परीक्षणों का संचालन करने के लिए जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

- सीसीआरटी ने विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में 'युवा कलाकारों के लिए छात्रवृत्ति' (एस.वाई.ए.) प्रदान करने संबंधी योजना और साथ ही 'संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट व्यक्तियों के लिए अध्येतावृत्ति' प्रदान करने संबंधी योजना के लिए बैच वर्ष 2022-23 के लिए क्रमशः 15 फरवरी 2024 और 24 फरवरी 2024 को रोजगार समाचार और देश भर में विभिन्न भाषाओं के अग्रणी समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित किया। डाक द्वारा सीसीआरटी में ऑफलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च, 2024 है।

विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम/EXTENSION SERVICES AND COMMUNITY FEEDBACK PROGRAMME (ESCFP)

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	सर्वोदय कन्या विद्यालय, ए-ब्लॉक, जहांगीर पुरी, नई दिल्ली	07-09 फरवरी, 2024
2.	सर्वोदय बाल विद्यालय, हस्तसाल, नई दिल्ली	07-09 फरवरी, 2024
3.	सर्वोदय बाल विद्यालय, जहांगीर पुरी, नई दिल्ली	07-09 और 12 फरवरी, 2024
4.	सर्वोदय बाल विद्यालय, डॉ. मुखर्जी नगर, नई दिल्ली	26-28 फरवरी, 2024

क्षेत्रीय केन्द्र हैदराबाद

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	जेड.पी. हाई स्कूल, मौला-अली, मंडल मलकजगिरी, जिला मेडचल-मलकजगिरी, तेलंगाना	01-03 फरवरी 2024
2.	गवर्नमेंट हाई स्कूल, एम.पी. बाग, अड्डागुट्टा, मर्रेडपल्ली, सिकंदराबाद	01-03 फरवरी 2024
3.	बाल एंड कन्या गवर्नमेंट हाई स्कूल, सीताफलमंडी, सिकंदराबाद	05-07 फरवरी 2024
4.	गवर्नमेंट हाई स्कूल (बाल), बोवेनपल्ली, सिकंदराबाद	10-13 फरवरी 2024
5.	गवर्नमेंट हाई स्कूल (कन्या), बोवेनपल्ली, सिकंदराबाद	14-16 फरवरी 2024
6.	गवर्नमेंट हाई स्कूल, यूसुफगुडा, हैदराबाद	19-21 फरवरी 2024
7.	नैटको गवर्नमेंट हाई स्कूल, बोरबांडा, हैदराबाद	19-21 फरवरी 2024
8.	गवर्नमेंट हाई स्कूल, राज भवन, हैदराबाद	22-24 फरवरी 2024
9.	गवर्नमेंट हाई स्कूल, मडफोर्ट, सिकंदराबाद	22-24 फरवरी 2024

क्षेत्रीय केन्द्र उदयपुर

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चिरवा, उदयपुर	01-03 फरवरी 2024

2.	राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मदार, उदयपुर	02, 03 और 05 फरवरी 2024
3.	राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, करेलो का गुडा, चिरवा, उदयपुर	08-10 फरवरी 2024
4.	राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, माजावड़ी, गोगुंडा, उदयपुर	09, 10 और 12 फरवरी 2024
5.	राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सूरजपॉल, टेकड़ी, उदयपुर	20-22 फरवरी 2024

फरवरी 2024 के महीने में सीसीआरटी मुख्यालय और इसके क्षेत्रीय केंद्रों में कुल 4499 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम/REFRESHER COURSE

- 26 फरवरी से 01 मार्च 2024 तक सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद में 'शिक्षा के लिए एकीकृत दृष्टिकोण' पर एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। 11 राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के कुल 104 शिक्षक प्रतिभागियों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया।

- उप निदेशक (मूल्यांकन) एवं उनकी टीम द्वारा सीसीआरटी की महत्त्वाकांक्षी परियोजना– 'कला गुरुकुल और कलाग्राम' से संबंधित विवरणिका तैयार की गयी।

स्वच्छता कार्य योजना

- सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर ने 19–23 फरवरी, 2024 को स्वच्छ भारत मिशन पर पांच दिनों की कार्यशाला का आयोजन किया। इस दौरान कुल 525 छात्रों/सीसीआरटी अधिकारियों ने 'कचरे से कला' विषय पर व्याख्यान और श्रमदान गतिविधि में भाग लिया।
- स्वच्छ भारत मिशन के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के तहत 29 फरवरी 2024 को सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद में 'शिक्षा के लिए एकीकृत दृष्टिकोण' प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छ भारत मिशन के लिए 'अपशिष्ट प्रबंधन में अच्छी प्रथाएं' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में कुल 104 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

हिन्दी राजभाषा:

क्षेत्रीय केन्द्र हैदराबाद में 26 फरवरी – 01 मार्च 2024 के दौरान आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "संघ की राजभाषा नीति: संवैधानिक स्थिति एवं संचारण" विषय पर एक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें 104 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

सांस्कृतिक क्लब

- फरवरी 2024 के महीने में विभिन्न राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों में 17 सांस्कृतिक क्लब खोले गए।

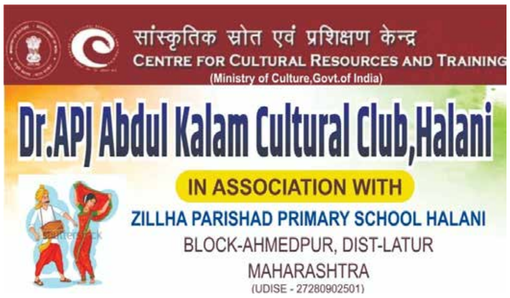

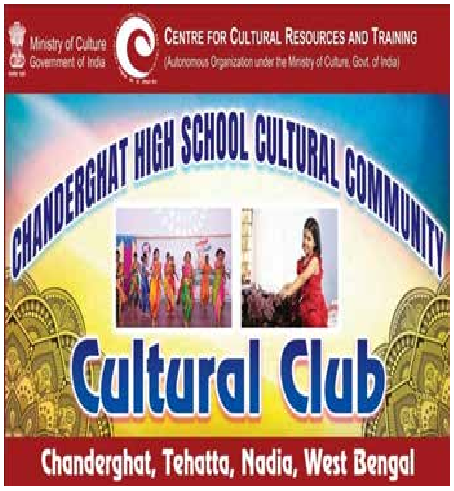

सेवानिवृत्ति

30 जनवरी 1963 को जन्मे श्री ऋषि वशिष्ठ सबसे पहले 17 दिसंबर 1990 को सीसीआरटी में अनुभाग अधिकारी के पद पर नियुक्त हुए। इसके बाद वर्ष 1992 में इन्हें फील्ड अफसर के पद पर पदोन्नति दी गई। सीसीआरटी से इस्तीफा देकर इन्होंने 02 महीने 09 दिन के एक अल्प कार्यकाल के लिए बाल भवन में सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) के पद पर 06 मई 1997 को कार्यभार ग्रहण किया। तत्पश्चात 17 जुलाई 1997 को इन्होंने उप निदेशक के पद पर सीसीआरटी में कार्यभार ग्रहण किया और प्रकाशन, छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति जैसे प्रमुख अनुभागों में अपना योगदान दिया। 02 फरवरी 2019 को इन्हें सीसीआरटी के प्रभारी निदेशक का कार्यभार सौंपा गया और तत्पश्चात 21 नवंबर 2019 को स्थायी निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया। 31 जनवरी 2023 को अधिवर्षिता की सामान्य आयु 60 वर्ष पूरी करने के बाद इन्हें 01 वर्ष का सेवा विस्तार मिला। तदोपरांत ये सीसीआरटी में 33 वर्ष 01 महीना 15 दिन की सेवा पूरी करके 31 जनवरी 2024 को निदेशक, सीसीआरटी के पद से सेवानिवृत्त हुए।

पूरा सीसीआरटी परिवार श्री ऋषि वशिष्ठ को इनके सुखद और स्वस्थ भावी जीवन की शुभकामनाएं देता है।

श्रद्धांजलि

01अक्टूबर 1962 को जन्मे श्री सुरेश कारुणिक ने 11 अगस्त 1995 को सीसीआरटी में फील्ड अफसर के पद पर कार्यभार ग्रहण किया। 25 नवंबर 2019 को इन्हें उप निदेशक के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई। 30 सितंबर 2022 को 60 वर्ष की आयु पूरी करने पर सीसीआरटी में 27 वर्ष 01महीना 19 दिन की सेवा करके ये सेवानिवृत्त हुए। 10 फरवरी 2024 को हृदयाघात से इनका देहांत हो गया। इनके परिवार में पत्नी श्रीमती भुवनेश्वरी पी.के., एक पुत्री सुश्री एकता कारुणिक और एक पुत्र श्री अमन कारुणिक हैं। सीसीआरटी परिवार स्वर्गीय सुरेश कारुणिक की स्मृति को सादर श्रद्धांजलि और उनके परिजनों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है।

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली:	सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र:
डॉ. विनोद नारायण इंदूरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी **श्री राजीव कुमार**, निदेशक, सीसीआरटी **डॉ. राहुल कुमार**, उप निदेशक (प्रशिक्षण) **डॉ. संदीप शर्मा**, उप निदेशक (मूल्यांकन) **श्री राजेश भटनागर**, उप निदेशक (वित्त) **श्री दिबाकर दास**, उप निदेशक (छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति) **श्री के.एस.एल. गणेश**, उप निदेशक (प्रशासन) **श्री मनीष कुमार**, हिन्दी अधिकारी	**श्री वाई. चन्द्र शेखर**, परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना **श्री ओम प्रकाश शर्मा**, परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर, राजस्थान **श्री निरंजन भुइयां**, परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी, असम **श्री के.एस.एल. गणेश**, उप निदेशक (प्रशासन) एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत संस्थान)

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली - 110075 भारत

दूरभाष : 011-25309300 ई-मेल : dir.ccrt@nic.in वेबसाइट : www.ccrtindia.gov.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
1-118/सीसीआरटी, सर्वे नं. 64
(गूगल ऑफिस के निकट),
मधापुर, हैदराबाद, तेलंगाना
पिन कोड:- 500 084
दूरभाष: +91+040+23111910/23117050
ई-मेल: rchyd.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
58, जुरीपार, पंजाबारी रोड
गुवाहाटी, असम
पिन कोड: 781037
दूरभाष: +91-0361-2335317
ई-मेल: rcgwt.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
हवाला खुर्द, बड़गाँव,
उदयपुर, राजस्थान
पिन कोड: 313011
दूरभाष: +91+0294-2430764
ई-मेल: rcud.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग,
दमोह, मध्य प्रदेश
पिन कोड:- 470661
ई-मेल: rcdamoh-ccrt@gov.in

@CCRTDelhi @ccrtofficialchannel ccrtnewdelhi @CCRTNewDelhi @ccrtofficial

संरक्षक: **डॉ. विनोद नारायण इंदूरकर**, अध्यक्ष, सीसीआरटी *मार्गदर्शक:* **श्री राजीव कुमार**, निदेशक, सीसीआरटी
संपादक: **मनीष कुमार**, हिंदी अधिकारी *प्रकाशन सहयोग:* **श्री रमनीक कुमार**, प्रकाशन सहायक एवं **श्री विरेन्द्र कुमार**, ग्राफ़िक डिज़ाइनर